News सिटी चीफ

वर्ष-15, अंक-289
पृष्ठ-8 मूल्य 2 रूपया

आज का विचार

परेशानिया आये तो सब्र से काम ले जल्दबाज़ी में अक्सर फ़ैसले ग़लत होते है।

बिहार सिटी चीफ

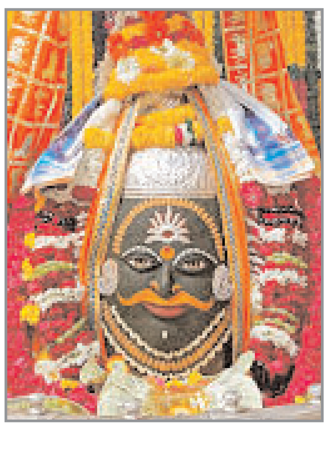

CITYCHIEFSENDMENEWS@GMAIL.COM

बिहार, गुरुवार, 23 जनवरी 2025

सम्पूर्ण भारत मे चर्चित हिन्दी अखबार

बिहार में खत्म होगी शराबबंदी कानून?

महागठबंधन की सरकार बनने पर तेजस्वी यादव का बड़ा ऐलान

चन्दन कुमार चौबे . सिटी चीफ

बिहार, आरा में बुधवार को कार्यकर्ता दर्शन और नारी शक्ति संवाद कार्यक्रम के तहत पूर्व उपमुख्यमंत्री सह नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव पहुंचे, जहां तेजस्वी यादव ने स्थानीय परिसदन में प्रेस वार्ता को संबोधित किया, इस दौरान तेजस्वी यादव बिहार की मौजूदा एनडीए सरकार और मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के खिलाफ जमकर हमला बोला, साथ ही शराबबंदी कानून को लेकर बड़ा बयान दिया है। बेतिया में हुई

शराब से मौत और बिहार में लागू पूर्ण शराबबंदी पर तेजस्वी यादव ने कहा कि जब भी जहरीली शराब से मौत होती है तो प्रशासन मौत के आंकड़ों को छुपाने में लगी रहती है। कार्रवाई के नाम पर सिर्फ लीपापोती होती है। जब पत्रकारों ने तेजस्वी यादव से उनकी सरकार आने पर शराब को शुरू करने का सवाल पूछा तो उन्होंने कहा कि इस पर समीक्षा होगी और आगे जो निर्णय होगा उसे बताया जाएगा, तेजस्वी यादव ने अपनी सरकार आने पर माई बहन योजना,स्मार्ट मीटर से निजात सहित जो जनता से वायदा किया हैं उसे शत प्रतिशत लागू करने की भी बात कही है। वहीं तेजस्वी यादव ने बिहार में बढ़ते आपराधिक गतिविधि पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा बिहार में आपराधिक घटनाएं बढ़ गई हैं। लॉ एंड ऑर्डर का क्रिमिनल डिसऑर्डर हो गया है। चारों तरफ आपराधिक घटनाएं हो रही हैं और सरकार चुप्पी साधकर बैठी हुई है। प्रगति यात्रा में दुर्गति हो रही है,ये दिखाई दे रहा है। नीतीश कुमार अपनी दुर्गति में प्रगति ढूंढ रहे हैं और इसी को लेकर वो बिहार में अपनी यात्रा कर रहे हैं.-

तेजस्वी यादव, नेता प्रतिपक्ष

तेजस्वी यादव ने आगे कहा कि यात्रा के दौरान जो मुख्यमंत्री को अधिकारी सुनहरा-सुनहरा दिखा रहे है,उसे ही मुख्यमंत्री देखते हैं। मुख्यमंत्री आई वॉश करने के लिए यात्रा पर हैं, पिछले बार भी मुख्यमंत्री यात्रा पर निकले थे,उसमें भी कुछ नहीं था, ये सिर्फ आई वाश कर रहे हैं।

बाइक सवार दो युवकों को डंफर ने कुचला

बड़े भाई की मौत, आक्रोशित लोगों ने किया सड़क जाम

भोजपुर, भोजपुर में गुरूवार की सुबह तेज रफ्तार अनियंत्रित डंफर ने बाइक सवार को कुचल डाला, जिससे उसकी घटनास्थल पर ही दर्दनाक मौत हो गई है। मृतक की पहचान धोबहा थाना क्षेत्र के सलेमपुर गांव निवासी आनंद दुबे के पुत्र अनुज कुमार उर्फ भोलू (24) के रूप में की गई है। घटना गजराजगंज थाना क्षेत्र के चौकीपुर स्थित पासवान चौक के पास की है। इस घटना में बाइक पर बैठा उसका भाई गंभीर रूप से जख्मी हो गया। आननफानन में उसे इलाज के लिए आरा सदर अस्पताल में भर्ती कराया गया है। इधर सड़क दुर्घटना में मौत की खबर मिलते ही मृतक के परिजन और स्थानीय लोगों का गुस्सा भड़क उठा और उनके द्वारा घटनास्थल के पास सड़क जाम कर जमकर बवाल किया। सड़क जाम की वजह से आरा-बक्सर मुख्यमार्ग पर करीब दो घंटे के लिए आवागमन पूरी तरह से बाधित रहा। सड़क जाम की सूचना पाकर स्थानीय थाना पुलिस मौके पर पहुंची और आक्रोशित लोगों को समझा बुझाकर शव को पोस्टमार्टम के लिए आरा सदर अस्पताल भेज सड़क जाम को हटवाया।

गांव जाने के दौरान डंफर ने कुचला

.घटना के संबंध में लोगों ने बताया कि धोबहा थाना क्षेत्र के सलेमपुर गांव निवासी आनंद दुबे वर्तमान में आरा के मौला बाग में रहते हैं। आज सुबह उनके पुत्र अनुज कुमार उर्फ भोलू और उसका भाई बाइक से अपने गांव जा रहे थे। तभी पासवान चौक के पास विपरीत दिशा से आ रहे अनियंत्रित डंफर ने उन्हें रौंद दिया। इस घटना में अनुज कुमार उर्फ भोलू की घटनास्थल पर मौत हो गई।

नो इंट्री के बाद भी पुलिस वसूली कर डंफर को देती है जाने की छूट

घटना के बाद आक्रोशित ग्रामीणों ने आरा बक्सर मुख्य मार्ग को जाम कर दिया और जमकर हंगामा करने लगे। आक्रोशित लोगों का कहना है कि नो एंट्री के बाद भी बड़े ट्रकों का बेलगाम गति से यहां आना-जाना लगा रहता है, लेकिन प्रशासन के द्वारा उन ट्रक चालकों पर न तो जुर्माना लगाया जाता है और न ही कोई कार्रवाई की जाती है। पुलिस के वसूली करने की वजह से ही हर आए दिन दुर्घटना हो रहे हैं और लोग काल के गाल में समा रहे हैं।

स्थानीय लोगों ने पुलिस बल की तैनाती की मांग की

घटना की जानकारी होने के कई घंटे बाद पुलिस घटनास्थल पर पहुंची, जिस वजह से लोग और अधिक भड़क गये। पुलिस के देर से आते ही पुलिस के खिलाफ लोग नारा लगाने लगे। हालांकि घटना होते ही स्थानीय लोगों ने खदेड़कर डंफर को पकड़ लिया। चालक दुर्घटना के बाद ट्रक छोड़कर मौके से फरार हो गया। दुर्घटना के बाद सड़क जाम कर रहे ग्रामीण रामजी पासवान ने कहा कि नो एंट्री लगने के बावजूद भी इस मार्ग से बड़ी गाड़ियों का तेज रफ्तार से परिचालन बेधड़क होता है, जिससे आए दिन दुर्घटनाएं हो रही हैं। आज भी एक अनियंत्रित डंफर ने बाइक सवार दो युवकों को रौंद दिया, जिसमें एक युवक की मौके पर ही मौत हो गई जबकि दूसरा बुरी तरह से घायल हो गया है जिसे इलाज के लिए सदर अस्पताल में भर्ती कराया गया है। स्थानीय लोगों ने मांग करते हुए कहा कि है पासवान चौक पर पुलिस बल की तैनाती की जाए और नो एंट्री का सख्ती से पालन किया जाए ताकि इस तरह की दुर्घटनाओं पर अंकुश लग सके।

इन 5 यूनिवर्सिटी के कर्मचारियों को नहीं मिला वेतन-पेंशन

शिक्षा विभाग ने लगाई रोक

पटना, शिक्षा विभाग ने पे-रोल मैनेजमेंट पोर्टल पर सभी शिक्षकों एवं कर्मचारियों की जानकारी अपलोड नहीं करने वाले पांच विश्वविद्यालयों के वेतन-पेंशन की राशि पर रोक लगा दी है। यह राशि नवंबर और दिसंबर की है। वहीं, विभाग ने राज्य के शेष आठ विश्वविद्यालयों में कार्यरत शिक्षकों और कर्मचारियों को वेतन, सेवानिवृत्त अध्यापकों तथा कर्मियों को पेंशन भुगतान के लिए 171 करोड़ 96 लाख रुपये जारी किया है।

इन विश्वविद्यालयों की रोकी गई राशि

पटना विश्वविद्यालय
तिलकामांझी भागलपुर विश्वविद्यालय
कामेश्वर सिंह दरभंगा संस्कृत विश्वविद्यालय
वीर कुंवर सिंह विश्वविद्यालय
आरा और मुंगेर विश्वविद्यालय

आठ विश्वविद्यालयों के लिए जारी हुई राशि

शिक्षा विभाग के निर्देश के मुताबिक बुधवार को जिन आठ विश्वविद्यालयों को राशि जारी की गई है, उन संस्थानों द्वारा यह प्रमाण पत्र दिया गया है कि पे-रोल मैनेजमेंट पोर्टल पर उनके द्वारा दी गई सभी जानकारियां सही हैं।

इसके बाद विभाग ने मगध विश्वविद्यालय, बोधगया को 25.28 करोड़, बीआर आंबेडकर बिहार विश्वविद्यालय, मुजफ्फरपुर को 32.66 करोड़, जय प्रकाश विश्वविद्यालय, छपरा को 13.66 करोड़ रुपये की राशि जारी की है।

इसके साथ ही शिक्षा विभाग ने बीएन मंडल विश्वविद्यालय, मधेपुरा को 17.62 करोड़, ललित नारायण मिथिला विश्वविद्यालय, दरभंगा को 33.74 करोड़, मौलाना मजहरूल हक अरबी एवं फारसी विश्वविद्यालय को 01.66 करोड़, पाटलिपुत्र विश्वविद्यालय को 37.7 करोड़ और पूर्णिया विश्वविद्यालय को 9.64 करोड़ रुपये जारी किए हैं।

बता दें कि पिछले साल 10 नवंबर को ही शिक्षा विभाग ने कुलसचिवों को निर्देश दिया था कि शिक्षकों और कर्मचारियों के वेतन भुगतान के लिए नई व्यवस्था शुरू की गई है। इसके लिए सभी शिक्षकों और कर्मचारियों का डाटा पे-रोल मैनेजमेंट पोर्टल पर अपलोड करना अनिवार्य है। डाटा अपलोड नहीं होने पर वेतन भुगतान रोक दिया जाएगा।

टोल फ्री नंबर पर सुनी जाएंगी स्कूली शिक्षा संबंधी शिकायतें

राज्य में स्कूली शिक्षा संबंधी समस्याओं के समाधान हेतु आमजनों के लिए शिक्षा विभाग ने टोल फ्री नंबर-14417/18003454417 के साथ पांच अलग-अलग मोबाइल नंबर जारी किया है, जिसमें अपर मुख्य सचिव का मोबाइल नंबर-9229206201, 9229206202, 9229206203, 9229206204 और 9110054295 शामिल है।

शिक्षा विभाग के कमांड एवं कंट्रोल सेंटर में प्राप्त होने वाली शिकायतों का वर्गीकरण छह श्रेणी में किया गया है। श्रेणीवार उपरोक्त मोबाइल नंबर दिए गए हैं, जिस पर आमजन स्कूली शिक्षा संबंधी समस्याएं बता सकते हैं।

टोल फ्री नंबर और मोबाइल नंबरों पर विद्यालय भवनों, कक्षाओं की स्थिति, निर्माणाधीन कार्य की गुणवत्ता, बेंच-डेस्क की उपलब्धता एवं गुणवत्ता, विद्यालय संचालन, छात्र एवं छात्राओं के लिए अलग-अलग शौचालय की उपलब्धता एवं उपयोगिता, पेयजल की सुविधा, विद्युत कनेक्शन तथा पंखा, ट्यूब लाइट एवं बल्ब की उपलब्धता से संबंधित शिकायत कर सकते हैं।

इसके साथ ही विद्यालय का समय से नहीं खुलना, प्रयोगशाला एवं पुस्तकालय की उपलब्धता एवं उपयोगिता, अभिभावक-शिक्षक-संगोष्ठी का आयोजन, खेल सामग्री की उपलब्धता एवं बच्चों द्वारा उसका उपयोग, निजी विद्यालयों का संबद्धता/नवीनीकरण, प्रधानाध्यापक/शिक्षक की उपस्थिति की शिकायत कर सकेंगे।

महिला शिक्षिका/छात्राओं के साथ अमर्यादित व्यवहार, किसी दल विशेष के पक्ष में राजनीति में संलिप्तता, निजी ट्यूशन/कोचिंग संस्थान में संलिप्तता, मध्याह्न भोजन की आपूर्ति एवं गुणवत्ता, वेतन भुगतान, वेतन वृद्धि व बकाया राशि का भुगतान, वेतन निर्धारण, से संबंधित समस्याओं को सुना जाएगा।

गोपालगंज में दर्दनाक हादसा

पिकअप और जीप की टक्कर में दो की मौत, कई घायल

चन्दन कुमार चौबे . सिटी चीफ

गोपालगंज, बिहार में ठंड का प्रकोप दिनों-दिन बढ़ता जा रहा है। बुधवार सुबह गोपालगंज में घने कोहरे के कारण एक बड़ा हादसा हुआ, कुचायकोट थाना क्षेत्र के सेमरा सासामुसा पथ पर खजूरी गांव के पास घने कोहरे के चलते दूध से भरी पिकअप और जीप के बीच जोरदार टक्कर हो गई। इस हादसे में जीप पर सवार दो लोगों की मौत हो गई जबकि छह लोग गंभीर रूप से घायल हो गए, हादसे के सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और आधा दर्जन जख्मी लोगों को प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया गया, फिलहाल पुलिस शव को पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल भेजकर मामले की जांच में जुट गई है। मृतकों में गोपालपुर थाना क्षेत्र के ढेबवां गांव निवासी मौलादीन और बंजरिया गांव निवासी जोगिंदर मांझी शामिल हैं।

बाहुबली अनंत सिंह पर 60 से 70 राउंड फायरिंग

इस गैंग पर गोली चलाने का आरोप

चन्दन कुमार चौबे . सिटी चीफ

पटना, बिहार के बाहुबली और पूर्व विधायक अनंत सिंह पर करीब 60 से 70 राउंड गोलीबारी की गई है. इस हमले में अनंत सिंह बाल-बाल बच गए. बताया जा रहा है कि यह फायरिंग सोनू-मोनू गैंग द्वारा की गई. फायरिंग की घटना के बाद पांच थानों की पुलिस मौके पर पहुंची है और मामले की जांच शुरू कर दी है. मोकामा के पंचमहला में फायरिंग की खबर है.

NDA से अलग होने का जारी किया था लेटर

JDU का बड़ा एक्शन, मणिपुर के प्रदेश अध्यक्ष को हटाया

पटना, जदयू के राष्ट्रीय प्रवक्ता राजीव रंजन ने कहा है कि मणिपुर को लेकर भ्रम फैलाया जा रहा है, वहां की एनडीए सरकार को समर्थन जारी रहेगा, मणिपुर जदयू के अध्यक्ष को अनुशासनहीनता के आरोप में हटाया जा चुका है। जेडीयू के राष्ट्रीय प्रवक्ता राजीव रंजन प्रसाद ने कहा, यह भ्रामक और निराधार है। पार्टी ने इसका संज्ञान लिया है और पार्टी की मणिपुर इकाई के अध्यक्ष को उनके पद से मुक्त कर दिया गया है। हमने एनडीए का समर्थन किया है और हमारा समर्थन जारी रहेगा।

उन्होंने आगे कहा कि मणिपुर में एनडीए सरकार आगे भी जारी रहेगी। मणिपुर इकाई ने केंद्रीय नेतृत्व से कोई संवाद नहीं किया, उन्हें (मणिपुर जेडीयू प्रमुख) ने अपनी मर्जी से पत्र लिखा था अनुशासनहीनता पर उनके खिलाफ कार्रवाई कर पदमुक्त कर दिया गया है... हम एनडीए के साथ हैं और राज्य इकाई राज्य के विकास के लिए मणिपुर के लोगों की सेवा करना जारी रखेगी।

एक चिट्ठी की वजह से मची थी खलबली

मणिपुर की एनडीए सरकार से जेडीयू के समर्थन वापसी की चिट्ठी जारी होने के बाद दिल्ली से पटना तक सियासी खलबली मच गई। आनन-फानन में किसी तरह हालात को संभाला गया और मणिपुर जदयू के अध्यक्ष बीरेन सिंह पर एक्शन लेते हुए उन्हें उनके पद से हटा दिया गया। उनकी ही गलती थी कि उन्होंने अपनी चिट्ठी में जेडीयू को एनडीए से अलग होने का दावा कर उसे जारी कर दिया था।

इसके बाद जदयू के राष्ट्रीय प्रवक्ता राजीव रंजन प्रसाद ने इस लेटर को ही गलत बताया और कहा कि पार्टी अब भी एनडीए के साथ है। मणिपुर में एनडीए की सरकार बनी रहेगी। उन्होंने कहा कि मणिपुर के जदयू नेता ने ये अनुशासनहीनता की थी और इसलिए उन्हें उनके पद से हटाया गया है। राजीव रंजन ने बताया कि उन्होंने बिना केंद्रीय नेतृत्व से बातचीत किए यह पत्र लिखा था।